Syllabi for M.Phil. entrance exam.
for the session 2017-18

India : Pata painting (Rajasthan, Bengal, Orissa), Madhubani, Warli, Pithoro painting. Dokra bronzes, terracotta horses (Gujarat, U. P., Bengal, M. P., Tamil Nadu), wood carving (Kondappalli, Karnataka (Bhuta), Bengal, M.P.), Leather Puppets (A. P., Karnataka). Indian traditional and modern design and functional arts : Textiles—Benaras, Kanchipuram, Gujarat Brocade, Baluchari, Dacca Malmal, Paithaini, Katki and textiles of North-Eastern States. Tie and Die fabrics, embroideries (Phulkari, Chamba Rumal, Kantha), Metalware (Bidari, rapousse, enamelling), jade, beads, jewellery and other.

**Elective—II : Drawing and Painting**

Knowledge of principal elements, perspective values, fundamentals of paintings. Visual principles, Form, space, illusion, image. Chronology of the development of ideas. Visual reality, conceptual reality. Tradition and the gradual development of the art of combining the elements of ideas of different visual arts specialization.

Media and materials and their use, sketching and drawing. Application of materials, oil painting—Alla Prima and old master process, glazing and scumbling, priming of canvas, different types of oil, brushing etc. Tempera and Gouache and their uses in painting in both traditional and non-traditional art. Wash method on paper and silk, Acrylic, pastel, mixed media, water colour mural and mural techniques—Fresco secco and Buono fresco, Ajanta and different modern media relief and mixed media in mural.

Collage, Encaustic Wax

Supports in Painting (Canvas, paper, wood, silk, etc.)

Types of paintings, open air paintings, portrait paintings, study of head and full length figures, male and female. Landscape paintings, patronised art, paintings under different art movements, still life, thematic, abstract, etc.

Principles of compositions, reflection of artists personal views, development of concept. Process of creative paintings. Expression of ideas under some aesthetical and philosophical views. Artistic expression during different social and structural changes. Art and Changes.

Application of techniques, colours and colour theory and the application of colour theory in art activities. Colour harmony, traditional application of colour and the application of colour with reasoning.

Colour preparation, texture, technical aspect of pigment.

Sources and influences of various traditions. Study and understanding of artistic value, construction of forms, shapes, planes, volume and totality, understanding of two and three dimensional approaches and the purpose.

Relevance of the study of aesthetics in Fine Arts/Visual Arts. The early Philosophical thoughts in Indian Culture. Nature and function of works of art in society. Concepts of Rasa, Sadanga, Dhvani, Alankara, etc., in traditional art. Concept of art and beauty, idea, imagination, intuition form and content, sublime, sympathy, empathy, creativity allegory, myth. Philosophy and aesthetical views of Kant, Hegel, etc.

Pre-historic Indian Painting, Classical Indian Paintings, Mural (Ajanta, Bagh) and later Mural traditions. Manuscript Painting, Miniature Painting, Folk and Tribal Paintings.

Company school of paintings, Raja Ravi Verma, Bengal School under Abanindranath and his disciples (Kshitindra Nath Majumdar, Samarendranath Gupta, K. Venkatappa, Abdul Rahman Chughtai, Ashit Kr. Halder, Nandalal, etc.)

Nandalal and his disciples (Ramkinkar, Binod Bihari, Dhirendrakrishna Dev Varma, etc.)

Amrita Shergil, Academic Realism, Calcutta Group (Paritosh Sen, Gobardhan Ash, Nirode Majumdar, Pradosh Dasgupta, Hemanta Mishra, etc.)

Major trends in contemporary Indian Art since, 1947.

Major phases in Western Painting, Greeco-Roman, Byzantine, Gothic, Renaissance (background of Renaissance, Humanism and the intentions and discoveries of the evolution of personal style of Early Renaissance and High Renaissance), Baroque and Rococo (background, conception with some important artists activities).

Neo-classicism, Romanticism, Neo-Realism, Impressionism Post-impressionism, Cubism, Fauvism, Futurism, Dadaism, Surrealism, Abstract Art, Abstract Expressionism Op, Pop, Neo-figuration, Art in Post-modern time.

**Elective—III : Applied Art**

Importance of Applied Art in Visual Communication in relation to various media, Consumer and Producer.

Understanding of all the elements of an advertising design/graphic design such as typography and calligraphy (Headline, copy), photography, illustration mnemonics, logo and symbol, punch line/base line/slogan, etc.

ऐच्छिक—II

आरेखन और चित्रकला (ड्राइंग-पेंटिंग)

चित्रकला (पेंटिंग) के मूलाधार, प्रधान तत्त्व-बोध (ज्ञान), परस्पेक्टिव बैल्यूज (मूल्य), दृश्य (विज्युअल) सिद्धान्त, रूप, स्पेस, इल्लूज़म, परिकल्पना। विचारों के विकास की कालक्रम बद्धता। दृश्य वास्तविकता, कंसेप्चुअल वास्तविकता (रीयलटी), ट्रेडीशनल (परम्परित) तथा क्रमशः (ग्रेजुअल) कला विकास, विभिन्न दृश्य-कलाओं की विशिष्टता (विशेषज्ञता) के वैचारिक तत्त्वों से युक्त के आधार पर।

मीडिया तथा सामग्री तथा उनका प्रयोग, स्केचिंग तथा ड्राइंग (आरेखन) सामग्री, उपयोग, तैल चित्र (आयल पेंटिंग)—अल्ला प्राइमा तथा प्राचीन मास्टर प्रक्रिया, ग्लेज़िंग तथा स्कम्बलिंग, प्राइमिंग ऑफ कैन्वास, विभिन्न प्रकार के तेल, ब्रुश आदि। टेम्पेरा तथा गाउचे तथा उनके प्रयोग चित्रकला में—परम्परित तथा अपरम्परित कला। कागज और सिल्क धोने की पद्धति। एक्राइलिक, पासटेल, मिश्रित मीडिया, पानी रंग मूरल तथा मूरल तकनीक—फ्रेस्को-सेक्को तथा बाउन फ्रेस्को, अजन्ता और विभिन्न आधुनिक मीडिया, रिलीफ तथा मिश्रित मीडिया मूरल में।

कोलाग, एन्कास्टिक वेक्स।

चित्रकला में सहयोग ; केन्वास, पेपर, वुड, सिल्क आदि।

चित्रकला के प्रकार, ओपेन एयर पेंटिंग्स, पोरट्रेट पेंटिंग, हेड तथा फुल लेंथ फिगर्स एवं मेल तथा फीमेल का अध्ययन। लैंडस्केप पेंटिंग, पेट्रोनाइज़ड कला, चित्रकलाएँ विभिन्न कला आन्दोलनों में स्टिल लाइफ, थिमेटिक, एब्स्ट्रक्ट, आदि।

बनावट के सिद्धान्त, कलाकारों के निजी विचारों (दृष्टिकोणों) का प्रतिच्छाया—प्रभाव-प्रस्तुति, विचार (कंसेप्ट) का विकास। रचनात्मक चित्रकला की प्रक्रिया। सौन्दर्यात्मिक और दार्शनिक आधार पर विचारों की अभिव्यक्ति। कलात्मक अभिव्यक्ति विभिन्न सामाजिक एवं संरचनात्मक परिवर्तनों के बीच। कला तथा परिवर्तन।

तकनीकों, रंगों, रंग-सिद्धान्त का उपयोग—कला-गतिविधियों में रंग-सिद्धान्त का उपयोग-प्रयोग, रंग-ऐक्य, परम्परित रंग-उपयोग तथा रंग-उपयोग कारणयुक्त।

रंग-तैयारी, संरचनात्मक, तकनीकी पक्ष पिग्मेंट का। विभिन्न परम्पराओं के साधन तथा प्रभाव। कलात्मक मूल्य की समझ और अध्ययन, रूप-संरचना, आकार—शेप्स, प्लान्स (योजनाएँ) खण्ड तथा पूर्णता में, उद्देश्य तथा दिशा आयामों के दो-तीन की सही समझ।

फाइन आर्ट्स/विजुअल आर्ट में सौन्दर्य बोध, शास्त्र के अध्ययन की प्रासंगिकता। भारतीय संस्कृति में प्रारम्भिक दार्शनिक विचार। समाज में कला के कार्यों की प्रकृति तथा प्रस्तुति। रस-संकल्प, षड्ग, ध्वनि, अलंकार आदि परम्परित कला में। कला तथा सुन्दरता का संकल्प, विचार, कल्पना, इंस्ट्युशन रूप तथा कथ्य—सबलाइम, सहानुभूति, एमपेथी, क्रियेटिविटी, ऐलग्री, मिथक, दर्शन और सौन्दर्यात्मक विचार—काँट, हीगेल आदि की।

इतिहास-पूर्व भारतीय चित्रकला, क्लासिकल भारतीय चित्रकलाएँ, मूरल (अजन्ता, बाघ) तथा बाद की मूरल परम्पराएँ। पाण्डुलिपि चित्रकला, मिनीयेचर पेंटिंग, फोक तथा ट्राइबल चित्रकलाएँ।

चित्रकला का कम्पनी स्कूल

राजा रवि वर्मा, बंगाली स्कूल, अबनिंद्र नाथ तथा उसके अनुयायी (क्षितेन्द्र नाथ मजूमदार, समरेन्द्रनाथ गुप्त, के० वेंकेटप्पा, अब्दुल रहमान चुगताई, अशित कुमार हाल्दार, नंदलाल, आदि)।

नन्दलाल तथा उसके शिष्य (राम किंकर, बिनोद बिहारी, धीरेन्द्र कृष्ण देव वर्मा, आदि)

अमृता शेरगिल, अकादमिक यथार्थवाद, कलकत्ता ग्रुप (परितोष सेन, गोबर्धन आश, निरोद मजूमदार, प्रदूष दासगुप्ता, हेमन्त मिश्र, आदि।)

समकालीन भारतीय कला में प्रमुख प्रवृत्तियाँ 1947 से

पाश्चात्य चित्रकला में प्रमुख पड़ाव, ग्रीको-रोमन, बाइजेंटिन, गोथिक, रिनैसांस (रिनैसांस की पृष्ठभूमि, मानववाद तथा उसके सुझाव तथा निजी शैली के प्रारम्भिक विकास में– रिनैसांस तथा हाई रिनैसांस) ब्रोक्यू तथा रोक्को (संकल्प तथा कुछ महत्त्वपूर्ण कलाकारों की गतिविधियों की पृष्ठभूमि में)

नियो क्लासिज्म, रोमांटिसिज्म, नियो रियलिज्म, इम्प्रेशनिज्म, उत्तर इम्प्रेशनिज्म, क्युबिज्म, फौविज्म, दादावाद, सुर्रीलेज्म, एब्स्ट्रक्ट कला, एब्स्ट्रक्ट एक्प्रेशनिज्म, ऑप, पॉप, नियो-फिग्रेशन, कला उत्तर आधुनिक युग में ।

**ऐच्छिक—III : प्रायोगिक कला**

दृश्य संचार (विज्यूअल कम्युनिकेशन) में प्रयोगिक कला के महत्व को विभिन्न मीडिया, कंजूमर तथा प्रोड्यूसर के सम्बन्ध में स्पष्ट करना।

विज्ञापन डिजाइन/ग्राफिक डिजाइन के सभी तत्त्वों की समझ—यथा टाइपोग्राफी तथा कैलीग्राफी (हेड लाइन, कॉपी), फोटोग्राफी, निमोनिक्स व्याख्या विस्तार, लोगो तथा सिम्बल, पंचलाइन/बेस लाइन/स्लोगन आदि।

कंवेन्शनल एनिमेशन (सेल एनिमेशन) तथा आधुनिक एनिमेशन (कम्प्यूटर एनिमेशन 2 डी तथा 3 डी) एप्लीकेशन ऑफ कम्प्यूटर ग्राफिक विशेष प्रभाव हेतु। दर्शक की प्रतिक्रियाएँ तथा प्रभाव प्रस्तुति।

विज्युअलाइजेशन (मानस दर्शन)

विज्युअलाइजेशन के शोध साधन, सूचना सामग्री का संग्रह और विचार, यू० एस० पी० का चयन, कंसेप्ट (समझ) का विकास, मीडिया चयन में अन्तिम निर्णय।

आउटडोर विज्ञापन

संचार में इसका महत्त्व। आउट डोर विज्ञापन के विभिन्न प्रकार, दूसरे मीडिया पर इसका प्रभाव। विज्ञापन नीति तथा सेंसरिंग आउट डोर मीडिया प्रयोग में।

विज्ञापन अभियान—प्रोडक्ट (पैकेज डिजाइन कन्टेनर के सरफेस पर, शुरू के लिए) कारपोरेट/सरकार तथा सामाजिक जागृति। दर्शक को दृष्टि में रखते हुए मीडिया के लिए सुझाव-दृष्टि—समझ। उपलब्ध मीडिया के नाम। मीडिया में नवीनता। नई तकनीक (कम्प्यूटर, डिजिटल प्रिंटर्स आदि)। टी० वी० ग्राफिक, मल्टिमीडिया प्रस्तुति, वेब-पेज डिजाइनिंग (रूपांकन) तथा सभी सॉफ्टवेयर की समझ (पेजमेकर, कोरेल ड्रा, फोटोशाप, फ्रीहैण्ड, ड्रीम वेवर, 3-डी स्टूडियो, आदि) इण्टरनेट, उसका प्रयोग विज्ञापन प्रोडक्ट्स के रूप में तथा सर्विसेस, नेट, मार्केटिंग।